



वर्ल्ड पर्यावरण दविस 2024

प्रलिस के लयि:

वर्ल्ड पर्यावरण दविस, संयुक्त राष्ट्र सभा, [सटॉकहोम कनवेंशन](#), COP, NAP, [लाइफ आंदोलन](#) |

मेन्स के लयि:

वर्ल्ड पर्यावरण दविस, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और संबंघति पहल

[स्रोत: द हद्वि](#)

चर्चा में क्यो?

पर्यावरण संरक्षण के प्रतजिगरूकता बढाने के लयि प्रतविरष 5 जून को वर्ल्ड पर्यावरण दविस मनाया जाता है |

- वनों की कटाई को नयिंतरति करने और जैववविधिता को बहाल करने की एक उल्लेखनीय पहल में, दो पर्यावरणवदिं ने बाघ अभयारण्यों के भीतर भारत के पहले बायोस्फीयर के नरिमाण का नेतृत्व कया है |

टाइगर रजिर्व में भारत का पहला बायोस्फीयर:

- हाल ही में दो पर्यावरणवदिं, जय धर गुप्ता और वजिय धस्माना ने उत्तराखंड के राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के भीतर एक टाइगर रजिर्व में भारत का पहला बायोस्फीयर बनाया, जसि राजाजी राघाटी बायोस्फीयर (RRB) कहा जाता है |
- बायोस्फीयर एक 35 एकड़ की नजि वन पहल है जसिका उददेश्य क्षेत्र को शकारियिं और खनन से बचाते हुए देशी वृक्षों की दुर्लभ और लुप्तपराय प्रजातियिं की पहचान करना और उन्हें पुनर्जीवति करना है |
- RRB के लयि नरिधारति भूमिपहले बंजर और क्षरति अवस्था में थी |
- वे पश्चिमी घाट के साथ महाराष्ट्र के पुणे के पास सह्याद्री टाइगर रजिर्व के बफर जोन में कोयना नदी के ऊपर एक दूसरा बायोस्फीयर भी वकिसति कर रहे हैं |

'एक पेड़ माँ के नाम' अभयान

- इसकी शुरुआत भारत के कारयवाहक प्रधानमंत्री ने 5 जून 2024 को वर्ल्ड पर्यावरण दविस पर दलिली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर की थी |
- उन्होंने देश वाशियिं से आग्रह कया कवि संधारणीय जीवनशैली अपनाकर प्रकृति की रक्षा करें और अपने ग्रह को बेहतर बनाने में योगदान दें |

वर्ल्ड पर्यावरण दविस के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- परचिय:
 - संयुक्त राष्ट्र सभा ने वर्ष 1972 में वर्ल्ड पर्यावरण दविस की स्थापना की, जो मानव पर्यावरण पर [सटॉकहोम कनवेंशन](#) का प्रथम दनि था |
 - वर्ल्ड पर्यावरण दविस (WED) प्रतविरष एक वशिष्ट थीम और नारे के साथ मनाया जाता है जो उस समय के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर केंद्रति होता है |
 - वर्ष 2024 में WED की मेज़बानी सऊदी अरब करेगा |

- भारत ने वर्ष 2018 में 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएँ' थीम के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दविस के 45वें समारोह की मेज़बानी की।
- वर्ष 2021 में WED समारोह ने पारस्थितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) की शुरुआत की, जो वनों से लेकर खेतों तक, परवतों की चोटियों से लेकर सागर की गहराई तक अरबों हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का एक वैश्विक मिशन है।
- **वर्ष 2024 की थीम:**
 - भूमि पुनरुत्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।
 - वर्ष 2024 मरुस्थलीकरण रोकथाम हेतु संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UN Convention to Combat Desertification-UNCCD) की 30वीं वर्षगाँठ भी होगी।
 - **भूमि पुनरुत्थापन का महत्त्व:**
 - **पर्यावरणीय क्षति को उलटना:** भूमिक्षरण, सूखा और मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना।
 - **नविश पर उच्च प्रतफल:** नविश किये गए प्रत्येक डॉलर से स्वस्थ पारस्थितिकी तंत्र से 30 अमेरिकी डॉलर तक का लाभ प्राप्त हो सकता है।
 - **समुदायों को बढ़ावा देना:** रोजगार सृजन करता है, नरिधनता को कम करता है और आजीविका में सुधार करता है।
 - **लचीलापन को मज़बूत करना:** समुदायों को चरम मौसम की घटनाओं का बेहतर ढंग से सामना करने में सहायता करता है।
 - **जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करता है:** मट्टि में कार्बन भंडारण क्षमता में वृद्धि करता है और तापमान वृद्धि की गति को धीमा करता है।
 - **जैवविविधता की रक्षा:** केवल 15% क्षरति भूमि को बहाल करने से अपेक्षित प्रजातियों के विलुप्त होने के महत्त्वपूर्ण हिससे को रोका जा सकता है।

पर्यावरणीय स्थिरता में भारत का योगदान क्या है?

- **मिशन LIFE**
- **राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (GIM):** इसका उद्देश्य 5 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर वन/वृक्ष आवरण को बढ़ाना तथा अन्य 5 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर वन/वृक्ष आवरण की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- **राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम (NAP):** इसके अंतर्गत वर्ष 2020 तक 21.47 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर वनरोपण किया गया है।
- **राष्ट्रीय जैवविविधता कार्य योजना**
- **नगर वन योजना (शहरी वन योजना):** यह शहरों और कस्बों के भीतर छोटे शहरी वन या "नगर वन" विकसित करने पर केंद्रित है।
- **स्कूल नर्सरी योजना:** यह स्कूलों को अपनी नर्सरी विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करती है।
- **CAMPA कोष:** वनरोपण और पुनर्जनन गतिविधियों आदि को बढ़ावा देने के लिये **प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (Compensatory Afforestation Fund Management and Planning Authority- CAMPA)** की स्थापना की गई है।
 - ये कार्यक्रम अनुपयोगी, खाली और बंजर भूमि पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देते हैं।
- **आरद्रभूमि संरक्षण:**
 - भारत ने कर्नाटक और तमिलनाडु में नए स्थलों को नामित करके जनवरी 2024 तक अपने **रामसर स्थलों** की संख्या को **80 तक बढ़ा दिया**।
 - भारत की 75वीं स्वतंत्रता वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में अगस्त 2022 में 11 आरद्रभूमियाँ शामिल की गईं।
 - **वेटलैंड्स ऑफ इंडिया पोर्टल** वेटलैंड्स प्रबंधकों और हतिधारकों के लिये ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करता है तथा बहुमूल्य जानकारी एवं संसाधन प्रदान करता है।
- **वन एवं वन्यजीव संरक्षण:**
 - पछिल्ले **15 वर्षों में शुद्ध वन क्षेत्र वृद्धि में भारत में तीसरे स्थान पर है।**
 - **भारत वन स्थिति रिपोर्ट (India State of Forest Report- ISFR) 2021 के अनुसार,** भारत का वन क्षेत्र **7,13,789 वर्ग किलोमीटर** है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का **21.71%** है।
 - भारत ने **प्रोजेक्ट टाइगर** के **50 वर्ष और प्रोजेक्ट एलीफेंट के 30 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया**, जिससे प्रजातियों के संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।
 - **'ग्रीन करेडिट प्रोग्राम'** की शुरुआत वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने तथा बंजर वन भूमि के पुनरुत्थापन के लिये की गई है, जिससे जलवायु कार्रवाई पहल में योगदान मिलेगा।
- **मैंग्रोव पुनरुत्थापन:**
 - भारत सरकार ने तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में **मैंग्रोव वनों** के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये **संवर्द्धनात्मक एवं वनियामक उपाय** लागू किये हैं।
 - **राष्ट्रीय तटीय मिशन कार्यक्रम** के अंतर्गत **'मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियों का संरक्षण एवं प्रबंधन'** नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वयित की जा रही है।
 - मैंग्रोव को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिये **केंद्रीय बजट 2023-24** में तटीय पर्यावास एवं ठोस आमदनी हेतु मैंग्रोव पहल (Mangrove Initiative for Shoreline Habitats and Tangible Incomes - MISHTI) की घोषणा की गई थी।
- **एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध:**
 - सरकार ने **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2024** के माध्यम से **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016** में संशोधन किया गया है।
 - नियम चिह्नित **एकल-उपयोग प्लास्टिक (Single-Use Plastic- SUP)** के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हैं।
- **नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा:**

- जनवरी 2023 में 19,744 करोड़ रुपए के निवेश के साथ शुरू किया गया [राष्ट्रीय हरति हाइड्रोजन मशिन](#) भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिये एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम होगा।
- इस मशिन का उद्देश्य भारत को हरति हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनाना है।
- यह प्रयास [जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को महत्वपूर्ण रूप से कम करेगा](#), अर्थव्यवस्था को [कार्बन-मुक्त करेगा](#) तथा वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को प्रेरित करेगा।
- **भारत की वैश्विक पहलें:**
 - भारत [सर्कुलर इकोनॉमी और संसाधन दक्षता के लिये वैश्विक गठबंधन \(Global Alliance for Circular Economy and Resource Efficiency- GACERE\)](#) तथा [अंतरराष्ट्रीय संसाधन पैनल \(International Resource Panel- IRP\)](#) की संचालन समिति का सदस्य है।
 - ये मंच वैश्विक एवं न्यायसंगत [चक्रीय अर्थव्यवस्था \(Circular Economy\)](#) परिवर्तन तथा सतत् प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की वकालत करते हैं।
 - [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन \(International Solar Alliance- ISA\)](#) की छठी सभा 31 अक्टूबर 2023 को **नई दिल्ली** में आयोजित की गई, जिसमें **116 सदस्य** और हस्ताक्षरकर्त्ता देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि भाग लेंगे।

पर्यावरण दविस पर कोयला मंत्रालय की रिपोर्ट:

- **कोयला मंत्रालय** के तहत कोयला तथा लग्निनाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, **कोयला-धारक क्षेत्रों** और उसके आसपास के क्षेत्रों में **व्यापक वृक्षारोपण प्रयासों** के माध्यम से **खनन में छूट वाले क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के उपायों को क्रियान्वित** कर रहे हैं।
- कोयला मंत्रालय ने **"कोयला एवं लग्निनाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में हरति पहल" (Greening Initiative in Coal & Lignite PSUs)** शीर्षक के नाम पर एक **रिपोर्ट** जारी की है, जिसमें खनन द्वारा नष्ट हुई भूमि को बहाल करने और पुनर्जीवित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है।
 - रिपोर्ट में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि **कोयला क्षेत्र भूमिपुनरुद्धार** के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने तथा **पर्यावरणीय स्थिरता** को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
 - कोयला/लग्निनाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने कोयला खनन क्षेत्रों में और उसके आसपास लगभग 50,000 हेक्टेयर का **हरति आवरण** बनाया है। इसमें **कोयला रहति भूमि को पुनः प्राप्त करना तथा खदान पट्टे के आंतरिक और बाह्य भाग में वृक्ष लगाना** शामिल है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 2.5 मिलियन टन CO2 समतुल्य **कार्बन सिक (Carbon Sink)** का उत्सर्जन होने का अनुमान है।
 - इस पहल का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 2.5 से 3.0 बिलियन टन कार्बन सिक **बनाने के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (Nationally Determined Contribution- NDC)** लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता के लिये भारत के हरति आवरण में वृद्धि करना है।

AQ-AIMS और वायु-प्रवाह ऐप:

वर्ष पर्यावरण दविस पर, **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** ने भारत में बेहतर वायु गुणवत्ता जागरूकता और नगिरानी की दशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

- **AQ-AIMS (स्वदेशी वायु गुणवत्ता नगिरानी प्रणाली):** यह लागत प्रभावी, भारत निर्मित प्रणाली महँगी, जटिल पारंपरिक वधियों की जगह लेती है।
- **वायु-प्रवाह ऐप:** उनका **मोबाइल ऐप** वास्तविक समय **वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)** डेटा प्रदान करता है, साथ ही इसमें निम्नलिखित विशेषताएँ भी हैं:
 - आसान सेटअप
 - लाइव डेटा वजिअलाइज़ेशन
 - आसान समझ के लिये यूनटि रूपांतरण
 - समय या स्थान के आधार पर AQI तुलना
 - सुवधाजनक पहुँच के लिये मल्टी-डिवाइस समर्थन
 - गहन जानकारी के लिये डेटा विश्लेषण उपकरण
 - केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन के लिये दूरस्थ नगिरानी
 - नवीनतम जानकारी के लिये स्वचालित अपडेट
- **लाभ:**
 - कफायती और उपयोगकर्त्ता के अनुकूल वायु गुणवत्ता नगिरानी।
 - सटीक डेटा के साथ पर्यावरणीय मंजूरी।
 - सूचिति नरिणयों (जैसे, उच्च प्रदूषण के दौरान मास्क पहनना) के माध्यम से बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य की संभावना।
- **तकनीकी जानकारी:**
 - AQ-AIMS को PM (वभिन्न आकार), SO2, NO2, O3, CO, CO2, तापमान और आर्द्रता की नगिरानी के लिये मान्य किया गया है।
 - 'एग्रीएनक्स' कार्यक्रम के तहत C-DAC कोलकाता, TeXMIN (ISM धनबाद) और JM एनवायरोलैब प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक सहयोगी प्रयास के माध्यम से विकसित किया गया।

दृष्टि मिनस प्रश्न:

भूमि पुनर्स्थापन में भारत की चुनौतियों और अवसरों की व्याख्या कीजिये। पारस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन पर संयुक्त राष्ट्र दशक के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये नीतित उपाय सुझाइए।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. 'अभीष्ट राष्ट्रीय नरिधारति अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions)' पद को कभी-कभी समाचारों में कसि संदर्भ में देखा जाता है? (2016)

- युद्ध-प्रभावति मध्य-पूरव के शरणार्थियों के पुनरवास के लिये यूरोपीय देशों द्वारा दयि गए वचन
- जलवायु परविरतन का सामना करने के लिये वशिव के देशों द्वारा बनाई गई कार्य-योजना
- एशियाई अवसंरचना नविश बैंक (एशयिन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक) की स्थापना करने में सदस्य राष्ट्रों द्वारा कयिा गया पूँजी योगदान
- धारणीय वकिस लक्ष्यों के बारे में वशिव के देशों द्वारा बनाई गई कार्य-योजना

उत्तर: (b)

प्रश्न. वर्ष 2015 में पेरसि में UNFCCC बैठक में हुए समझौते के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

- इस समझौते पर UN के सभी सदस्य देशों ने हस्ताक्षर कयिे और यह वर्ष 2017 से लागू होगा।
- यह समझौता ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को सीमति करने का लक्ष्य रखता है, जसिसे इस सदी के अंत तक औसत वैश्विक तापमान की वृद्धि उद्योग-पूरव स्तर (pre-industrial levels) से 2°C या कोशशि करें कि 1.5°C से भी अधिक न हो पाए।
- वकिसति देशों ने वैश्विक तापन में अपनी ऐतहासिक ज़मिमेदारी को सवीकारा और जलवायु परविरतन का सामना करने के लिये वकिसशील देशों की सहायता के लिये 2020 से प्रतविरष 1000 अरब डॉलर देने की प्रतबिद्धता जताई।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि-

- केवल 1 और 3
- केवल 2
- केवल 2 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परविरतन फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC) के सी.ओ.पी. के 26वें सत्र के प्रमुख परणामों का वर्णन कीजयि। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई वचनबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

प्रश्न. "वहनीय (ऐफोरडेबल), वशिवसनीय, धारणीय तथा आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच संधारणीय (सस्टेनबल) वकिस लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिये अनविर्य है।" भारत में इस संबंध में हुई प्रगति पर टपिपणी कीजयि। (2018)